प्रारंभिक परीक्षा

लेसर फ्लेमिंगो(Lesser Flamingo)

संदर्भ

गुजरात के पोरबंदर शहर के छाया तालाब पर बड़ी संख्या में फ्लेमिंगो पक्षी आ गए हैं।

लेसर फ्लेमिंगो के बारे में -

- **वैज्ञानिक नाम:** फोनीकोनियास माइनर
- **विशेषताएं**: यह **सभी फ्लेमिंगो में सबसे छोटा है** लेकिन इसकी जनसंख्या सबसे अधिक है।
    - **इसमें "हॉलक्स" या पिछला पैर का अंगूठा होता है जो अन्य फ्लेमिंगो में नहीं होता।**
    - नर मादाओं की तुलना में थोड़े लम्बे होते हैं।
    - यह क्रमिक रूप से एकविवाही(monogamous) है, जिसका अर्थ है कि वे जोड़े बनाते हैं जो बच्चों के पालन-पोषण के दौरान एक साथ रहते हैं।
- **भौगोलिक वितरण:** अफ्रीका, एशिया महाद्वीप और उसमें विशेषकर उप-सहारा अफ्रीका, दक्षिण एशिया, उत्तरी अफ्रीका
    - **वे मुख्यतः नीले-हरे शैवाल खाते हैं, लेकिन कभी-कभी क्रस्टेशियन और छोटे कीड़े भी खा लेते हैं।**
- **संरक्षण की स्थिति:**
    - सीएमएस (प्रवासी प्रजातियों पर सम्मेलन): परिशिष्ट II में शामिल।
    - संरक्षण स्थिति (आईयूसीएन): निकट संकटग्रस्त (एनटी)।

तथ्य -

- **कच्छ के रण को "फ्लेमिंगो सिटी"** घोषित किया गया है।

स्रोत: [The Hindu: Pink Squad]

लोक लेखा समिति (PAC)

संदर्भ

NH-66 दुर्घटना मामले में, PAC ने CAG से निर्माण की गुणवत्ता का ऑडिट करने तथा सड़क के डिजाइन और अनुबंध की शर्तों की समीक्षा करने को कहा।

PAC के बारे में -

- **उत्पत्ति:**
  - इसकी **स्थापना 1921 में भारत सरकार अधिनियम, 1919 (मोंटेग्यू-चेम्सफोर्ड सुधार)** के **आधार पर** की गई थी।
  - यह भारत की सबसे पुरानी संसदीय समितियों में से एक है।
- **संरचना: 22 सदस्य (लोकसभा से 15 + राज्य सभा से 7)।**
- **चुनाव पद्धति:** समिति के सदस्यों का चुनाव आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के माध्यम से एकल संक्रमणीय मत द्वारा किया जाता है।
- **अध्यक्ष**: समिति के सदस्यों में से लोकसभा अध्यक्ष द्वारा नियुक्त किया जाता है।
  - **1967 से, विपक्षी दल से अध्यक्ष की नियुक्ति की संसदीय परंपरा रही है।**
- **कार्यकाल:** 1 वर्ष (अध्यक्ष एवं सदस्य)
- **महत्व**: लोगों के प्रति कार्यकारी जवाबदेही सुनिश्चित करने और सरकार के कार्यों पर संसदीय निगरानी लागू करने के लिए आवश्यक।

PAC की भूमिकाएं क्या हैं?

- **नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (CAG) द्वारा प्रस्तुत लेखापरीक्षा रिपोर्टों की जांच करना तथा उसके निष्कर्ष संसद में प्रस्तुत करना।**
- विनियोग खातों और वित्त खातों पर लेखापरीक्षा रिपोर्टों की समीक्षा करके सार्वजनिक वित्त पर निगरानी के रूप में कार्य करता है।
- विनियोग खातों की जांच करके यह सुनिश्चित किया जाता है कि:
  - निधियां कानूनी रूप से उपलब्ध थीं।
  - एक सक्षम प्राधिकारी ने उनके उपयोग को मंजूरी दी थी।
  - प्रक्रियाओं और नियमों का उचित रूप से पालन किया गया था।

टिप्पणी:

- PAC चयनित संसद सदस्यों की तीन वित्तीय समितियों में से एक है।
  - अन्य दो समितियाँ हैं - अनुमान समिति और सार्वजनिक उपक्रम समिति (CoPU)।
- PAC उन सार्वजनिक उपक्रमों की रिपोर्टों की जांच नहीं करती है जो सार्वजनिक उपक्रम समिति को आवंटित की जाती हैं।

स्रोत: [The Hindu: NH-66 Collapse, PAC Directs CAG to do performance audit]

अंतर-सेवा संगठन (कमांड, नियंत्रण और अनुशासन) अधिनियम 2023

संदर्भ

सरकार ने हाल ही में अंतर-सेवा संगठन (कमांड, नियंत्रण और अनुशासन) अधिनियम, 2023 के तहत नियमों को अधिसूचित किया है।

अंतर-सेवा संगठन (कमांड, नियंत्रण और अनुशासन) अधिनियम, 2023 के तहत नियम -

- **सशक्त कमान संरचना:** अंतर-सेवा संगठनों (आईएसओ) के कमांडर-इन-चीफ और ऑफिसर-इन-कमांड को अब अपने अधीन सेना, नौसेना और वायु सेना के कार्मिकों पर पूर्ण प्रशासनिक और अनुशासनात्मक अधिकार प्राप्त होंगे।
- **कानूनी ढांचा: धारा-11** के तहत अधिसूचित नियम सभी अंतर-सेवा संरचनाओं में एक समान कार्यान्वयन के लिए एक संरचित कानूनी और परिचालन तंत्र प्रदान करते हैं।
- **तीव्र अनुशासनात्मक कार्रवाई:** इससे अनुशासनात्मक मामलों का त्वरित समाधान संभव हो पाता है तथा सेवाओं में क्षेत्राधिकार का अतिव्यापन नहीं होता।
- **सेवा पहचान का संरक्षण:** प्रत्येक सैन्य शाखा की विशिष्ट सेवा शर्तों को प्रभावित किए बिना कमांड एकीकरण सुनिश्चित करता है।

अंतर-सेवा संगठन (ISO) क्या हैं?

- **परिभाषा: संयुक्तता और एकीकरण को बढ़ावा देने के लिए दो या अधिक सेवाओं (सेना, नौसेना, वायु सेना) के कर्मियों से मिलकर बने सैन्य निकाय।**
- **उदाहरण**: अंडमान और निकोबार कमान - भारत की पहली त्रि-सेवा कमान।
- **उद्देश्य**: रसद, प्रशिक्षण और सहायता में तालमेल बढ़ाना; संयुक्त अभियानों का समर्थन करना।
- **कानूनी समर्थन**: अंतर-सेवा संगठन (कमांड, नियंत्रण और अनुशासन) अधिनियम, 2023 के तहत स्थापित।
- **प्राधिकारी**: ISO में सभी सेवा सदस्यों पर अनुशासनात्मक और प्रशासनिक नियंत्रण के साथ एक ऑफिसर-इन-कमांड द्वारा नेतृत्व किया जाता है।
- **विजन**: भविष्य के लिए तैयार सशस्त्र बलों के लिए थिएटराइजेशन को आगे बढ़ाना, अंतर-संचालन, लागत-दक्षता को बढ़ावा देना और **"एक राष्ट्र, एक सैन्य दृष्टिकोण"** बनाना।

भारतीय सैन्य संरचना पर प्रभाव -

- **उन्नत परिचालन तालमेल:** प्रशासनिक विखंडन को समाप्त करके मौजूदा और भविष्य के दोनों आईएसओ में संयुक्त कार्यप्रणाली को बढ़ावा देता है।
- **थिएटर कमांड के लिए समर्थन:** एकीकृत कमांड और नियंत्रण को सक्षम करके **एकीकृत थिएटर कमांड** के लिए आधार को मजबूत करता है।
- **दक्षता और लागत प्रभावशीलता:** केंद्रीकृत प्रशासनिक नियंत्रण के माध्यम से दोहराव को कम करता है, संसाधनों का अनुकूलन करता है, और सेवाओं में समन्वय में सुधार करता है।

स्रोत: **The Hindu: Government notifies rules enabling greater 'jointness', command efficiency in armed forces**

हैजा(Cholera)

संदर्भ

सूडान हैजा के प्रकोप का सामना कर रहा है।

हैजा के बारे में -

- **कारक एजेंट:** हैजा एक जल जनित रोग है जो **विब्रियो कोलेरा नामक बैक्टीरिया के कारण होता है,** मुख्य रूप से **O1 और O139** स्ट्रेन **के कारण** होता है।
- **स्ट्रेन वितरण:** O1 स्ट्रेन विश्व स्तर पर अधिकांश प्रकोपों के लिए जिम्मेदार है, जबकि O139 स्ट्रेन दुर्लभ है और काफी हद तक एशिया तक ही सीमित है।
- **बीमारी की प्रकृति:** यह एक तीव्र आंत्र संक्रमण है जो दस्त रोग का कारण बनता है।
- **गंभीरता:** संक्रमण लक्षणहीन या हल्के से लेकर कुछ मामलों में गंभीर और जानलेवा तक हो सकता है।
- **लक्षण**: अत्यधिक पानी वाला दस्त, उल्टी, मांसपेशियों में ऐंठन (विशेषकर पैरों में)
- **संचरण**: दूषित भोजन और पानी के माध्यम से।
    - यह उन क्षेत्रों में पनपता है जहां उचित सीवेज निपटान और स्वच्छ पेयजल का अभाव होता है, जिससे प्रकोप के दौरान तेजी से संक्रमण फैलता है।
- **वैक्सीन की उपलब्धता: विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने तीन मौखिक हैजा टीकों (OCV) को पूर्व-योग्य घोषित किया है । ⇒डुकोरल, शंचोल, यूविचोल-प्लस।**

स्रोत: [Aljazeera: Sudan reports 70 cholera deaths in Khartoum in two days]

विकसित कृषि संकल्प अभियान

संदर्भ

विकसित कृषि संकल्प अभियान 29 मई से 12 जून 2025 तक चल रहा है।

विकसित कृषि संकल्प अभियान का अवलोकन -

- **संचालन**: कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर), राज्य कृषि विभागों, कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) और किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के सहयोग से।
- **आरंभ**: 2024 में विकसित भारत @2047 के रोडमैप के भाग के रूप में
- **कवरेज:** 723 जिलों के 65,000 से अधिक गांवों में 1.3 करोड़ से अधिक किसानों के साथ प्रत्यक्ष जुड़ाव।
- **फोकस:** किसानों के बीच जागरूकता फैलाना और प्रमुख कृषि योजनाओं का कार्यान्वयन
- **तंत्र:**
    - **किसानों की आय दोगुनी करना**: ऐसी पद्धतियों को बढ़ावा देना जो उत्पादकता और लाभप्रदता बढ़ाने में सहायक हों।
    - भारत डिजिटल कृषि मिशन, एग्रीस्टैक (किसान आईडी) और नमो ड्रोन दीदी जैसी पहलों के माध्यम से प्रौद्योगिकी संचालित कृषि को बढ़ावा दे रहा है।
    - कृषि में जल-उपयोग दक्षता बढ़ाने के लिए किसान सुविधा जैसे ऐप और प्रति बूंद अधिक फसल के अंतर्गत एआई-आधारित सिंचाई सलाह का उपयोग किया जा रहा है।
    - **जन भागीदारी**: कृषि परिवर्तन में किसानों, हितधारकों, स्थानीय निकायों और युवाओं को शामिल करना।
    - ड्रोन प्रदर्शन, एआई-आधारित मृदा परीक्षण और जलवायु-स्मार्ट कृषि तकनीक मुख्य आकर्षण थे।
    - यह पहल डिजिटल इंडिया और आत्मनिर्भर भारत मिशन से जुड़ी हुई थी।

स्रोत: PIB

समाचार संक्षेप में

बिर्च ग्लेशियर

समाचार? बिर्च ग्लेशियर के टूटने के बाद स्विटजरलैंड में भारी भूस्खलन हुआ।

बिर्च ग्लेशियर के बारे में -

- **स्थित:** स्विस आल्प्स, स्विटजरलैंड।
- यह भूस्खलन पर्माफ्रॉस्ट के पिघलने और ग्लेशियरों के तेजी से पीछे हटने से जुड़ा था, जो दोनों जलवायु परिवर्तन के कारण बढ़ते तापमान से प्रेरित थे।

ग्लोबल ग्लेशियर रिट्रीट -

- **नेपाल का याला ग्लेशियर:** इस ग्लेशियर ने 1974 से अब तक अपना 66% सतही क्षेत्र खो दिया है और यह हर साल एक मीटर से ज़्यादा पीछे खिसक रहा है। अनुमान है कि अगले कुछ दशकों में यह गायब हो जाएगा।
- **इंडोनेशिया का कार्स्टेन्ज़ ग्लेशियर:** कभी सबसे बड़ा उष्णकटिबंधीय ग्लेशियर रहा यह ग्लेशियर 2002 में 1.4 किमी लंबाई से घटकर 2023 के अंत तक केवल 470 मीटर रह गया, जो दर्शाता है कि इसका लगभग पूर्ण पतन आसन्न है।
- **हिमालयी बर्फ का नुकसान:** हिंदू कुश हिमालय में ग्लेशियर पिछले दशक की तुलना में 2011 और 2020 के बीच 65% तेजी से पिघले।
- **वैश्विक अनुमान:** एक हालिया अध्ययन से पता चलता है कि वर्तमान ग्रीनहाउस गैस स्तर के कारण दुनिया के लगभग 40% ग्लेशियर पहले से ही पिघलने के कगार पर हैं।
    - यदि वैश्विक तापमान में 2.7°C की वृद्धि होती है, तो नुकसान 75% तक पहुंच सकता है, जिससे समुद्र का स्तर और अरबों लोगों के लिए मीठे पानी की आपूर्ति खतरे में पड़ सकती है।

स्रोत: The Hindu

नोमैडिक एलीफेंट अभ्यास

समाचार? भारत-मंगोलिया संयुक्त सैन्य अभ्यास नोमैडिक एलीफेंट का 17वां संस्करण मंगोलिया के उलानबटार में आयोजित किया जाएगा।

भारत और मंगोलिया के बीच रक्षा सहयोग -

- **रक्षा सहयोग के लिए भारत-मंगोलिया संयुक्त कार्य समूह**: संयुक्त कार्य समूह की वार्षिक बैठक की सुविधा प्रदान करता है।
- **'नोमैडिक एलीफेंट' संयुक्त अभ्यास:** द्विपक्षीय रक्षा संबंधों को बढ़ावा।
- **'खान क्वेस्ट' में भागीदारी**: भारतीय सशस्त्र बलों के पर्यवेक्षक प्रत्येक वर्ष मंगोलिया द्वारा आयोजित बहुपक्षीय शांति अभ्यास 'खान क्वेस्ट' में भाग लेते हैं।
- **आपातकालीन प्रबंधन सहयोग:** हाल के वर्षों में आपदा प्रबंधन पहलों में मंगोलिया की राष्ट्रीय आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी (एनईएमए) और भारत की राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी (एनडीएमए) के बीच सहयोग में तेजी देखी गई है।

स्रोत: PIB

कोबाल्ट

समाचार? पिछले कुछ वर्षों में कोबाल्ट की कीमतों में गिरावट आई है।

कोबाल्ट के बारे में -

- **रासायनिक प्रतीक: Co**
- **परमाणु संख्या: 27**
- **श्रेणी:** संक्रमण धातु
- **रंग:** चमकदार, सिल्वर-ग्रे
- **उपस्थिति:** आमतौर पर कोबाल्टाइट, एरिथ्राइट और स्कटरूडाइट जैसे खनिज अयस्कों में पाया जाता है।
  - अक्सर तांबा और निकल खनन का एक उपोत्पाद
- **कोबाल्ट के उपयोग:**
  - **रिचार्जेबल बैटरी:** लिथियम-आयन बैटरी (स्मार्टफोन, लैपटॉप, इलेक्ट्रिक वाहनों में उपयोग की जाती हैं)।
  - **सुपरअलॉयज**: उच्च तापमान प्रतिरोध के लिए जेट इंजन, टर्बाइन और एयरोस्पेस अनुप्रयोगों में उपयोग किया जाता है।
  - **चुम्बक और कठोर धातु:** स्थायी चुम्बकों, काटने के औजारों और घिसाव प्रतिरोधी मिश्र धातुओं के लिए।
  - **चिकित्सा उपयोग:** कोबाल्ट-60 (रेडियोधर्मी आइसोटोप) का उपयोग रेडियोथेरेपी और विसंक्रमण में किया जाता है।
  - **चीनी मिट्टी की चीज़ें और रंगद्रव्य:** ऐतिहासिक रूप से कांच और चीनी मिट्टी की चीज़ों में नीले रंग के लिए उपयोग किया जाता है।
- **वितरण:**
  - **कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (DRC):** विश्व का सबसे बड़ा उत्पादक (~70%)।
  - **अन्य देश:** इंडोनेशिया, रूस, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा।
- **भारत में:**

राज्य	जिला
झारखंड	सिंहभूम
ओडिशा	केंदुझर
ओडिशा	जाजपुर
राजस्थान	झुंझुनूं
नागालैंड	तुएनसांग
मध्य प्रदेश	झाबुआ
मध्य प्रदेश	होशंगाबाद

स्रोत: The Hindu

बांडुंग सम्मेलन

- **दिनांक:** 18–24 अप्रैल 1955
- **स्थान:** बांडुंग, इंडोनेशिया
- **मेजबान:** इंडोनेशिया, भारत, पाकिस्तान, सीलोन (श्रीलंका), और बर्मा (म्यांमार)
- **उद्देश्य:**
  - अफ्रीकी-एशियाई आर्थिक और सांस्कृतिक सहयोग को बढ़ावा देना
  - उपनिवेशवाद, नस्लवाद और नवउपनिवेशवाद का विरोध करना
  - शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व और वैश्विक शांति को बढ़ावा देना
  - शीत युद्ध के दौरान गुटनिरपेक्ष बने रहना (न तो अमेरिका समर्थक और न ही सोवियत संघ समर्थक)

- **मुख्य परिणाम:**
  - **10 सूत्री घोषणा को अपनाया गया:**
    - संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान
    - आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करना
    - विवादों का शांतिपूर्ण समाधान
    - मानव अधिकारों का संवर्धन और संयुक्त राष्ट्र चार्टर
  - **इसनें गुटनिरपेक्ष आंदोलन (NAM) (आधिकारिक तौर पर 1961 में गठित) के लिए आधार तैयार किया।**

स्रोत: **Indian Express**

संपादकीय सारांश

प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा (ECE)

संदर्भ

कथन
"कुछ बच्चे जन्म के समय ही लॉटरी जीत जाते हैं; बहुत से बच्चे नहीं जीत पाते - और अधिकांश लोग बराबरी करने के लिए संघर्ष करते हैं,"
– **नोबेल पुरस्कार विजेता प्रो. जेम्स हेकमैन** .

प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा (ECE) का महत्व -

- **निवेश पर उच्चतम प्रतिफल:** हेकमैन वक्र दर्शाता है कि ECE में निवेश करने पर प्रति 1 डॉलर पर 7 से 12 डॉलर के बीच प्रतिफल प्राप्त होता है, जिससे यह मानव पूंजी निवेश के लिए सबसे अधिक लागत प्रभावी चरण बन जाता है।
- **भावी शिक्षा और आय का आधार:** गुणवत्तापूर्ण ECE वाले बच्चों की आय बढ़ने की संभावना 4 गुना अधिक होती है तथा जीवन में आगे चलकर उनके पास घर होने की संभावना 3 गुना अधिक होती है।
- **असमानता कम होती है:** ECE "जन्म की लॉटरी" अर्थात गरीबी में पैदा होने से होने वाली हानि को कम कर सकता है।
- **प्रारंभिक कौशल विकास:** महत्वपूर्ण संज्ञानात्मक और व्यवहारिक कौशल 5 वर्ष की आयु तक विकसित हो जाते हैं; प्रेरणा, भाषा और संख्यात्मकता में अंतराल तब तक स्पष्ट हो जाता है।
- **बेहतर स्कूल तैयारी:** बच्चों को औपचारिक शिक्षा के लिए तैयार करना, भविष्य में सीखने के अंतराल और स्कूल छोड़ने की दरों को कम करना।

भारत की ECE प्रणाली में वर्तमान चुनौतियाँ -

- **अपर्याप्त शिक्षण समय:** आंगनवाड़ी कार्यकर्ता प्रीस्कूल शिक्षण पर प्रतिदिन केवल 38 मिनट ही खर्च करते हैं, जबकि अनुशंसित समय 2 घंटे है।
    - केवल 9% पूर्व-प्राथमिक स्कूलों में समर्पित ECE शिक्षक हैं।
- **कमजोर सीखने के परिणाम:** केवल **15%** बच्चे बुनियादी वस्तुओं का मिलान कर सकते हैं, और **30%** संख्याओं की तुलना कर सकते हैं - जो कि कक्षा 1 से पूर्व के लिए आवश्यक कौशल हैं।
- **ECE में कम नामांकन:** कई बच्चे पूर्व-प्राथमिक शिक्षा छोड़ देते हैं:
    - 3 वर्ष के बच्चों में से केवल 2% ,
    - 4 वर्ष के बच्चों में 5.1% ,
    - 5 वर्ष की आयु के लगभग 25% बच्चे सीधे कक्षा 1 में दाखिला लेते हैं।
- **अपर्याप्त संसाधन एवं निरीक्षण:** ECE पर प्रति बच्चा/वर्ष केवल ₹1,263 खर्च किए जाते हैं, जबकि स्कूली शिक्षा पर ₹37,000 खर्च किए जाते हैं।
    - 282 आंगनवाड़ियों पर 1 पर्यवेक्षक होने के कारण गुणवत्ता नियंत्रण कठिन हो गया है।
- **माता-पिता की सीमित सहभागिता:** कई माता-पिता परवाह तो करते हैं, लेकिन घर पर ECE का समर्थन कैसे करें, इस बारे में मार्गदर्शन का अभाव होता है।
    - माता-पिता के प्रशिक्षण के लिए स्मार्टफोन या एडटेक प्लेटफॉर्म का कम उपयोग।

सरकारी एवं राज्य पहल -

राज्य/संस्था	पहल	विवरण

उत्तर प्रदेश	11,000 ECE शिक्षकों की नियुक्ति	सभी जिलों में; साथ ही मास्टर प्रशिक्षकों के लिए 6 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण।
ओडिशा	**शिशु वाटिका और जादूपेडी किट**	खेल-आधारित शिक्षा के माध्यम से 5-6 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए स्कूल की तैयारी बढ़ाना।
मध्य प्रदेश	**बाल चौपाल**	मासिक अभिभावक सहभागिता सत्र खेल-आधारित शिक्षा पर केन्द्रित थे।
संघ सरकार	**आईसीडीएस (एकीकृत बाल विकास योजना)**	आंगनवाड़ियों के माध्यम से पोषण, स्वास्थ्य और पूर्वस्कूल शिक्षा के लिए मुख्य राष्ट्रीय योजना।
एनईपी 2020	**आधारभूत साक्षरता और संख्यात्मकता पर जोर**	3-6 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए सार्वभौमिक ECE पहुंच का लक्ष्य; प्रारंभिक चरण में बालवाटिका का परिचय।

क्या किया जा सकता है -

- **समर्पित ECE शिक्षकों की नियुक्ति:** सुनिश्चित करना कि प्रत्येक आंगनवाड़ी और पूर्व-प्राथमिक विद्यालय में केवल ECE पर केंद्रित प्रशिक्षित शिक्षक हों।
- **वित्तपोषण एवं निगरानी में वृद्धि:** ECE को अधिक धनराशि आवंटित करना (शिक्षण सामग्री, बुनियादी ढांचे और पर्यवेक्षकों के लिए धनराशि सहित)।
    - गुणवत्ता आश्वासन के लिए अधिक पर्यवेक्षकों को नियुक्त करना
- **माता-पिता की भागीदारी को मजबूत करना:** समुदाय आधारित कार्यक्रम आयोजित करें (जैसे मध्य प्रदेश में बाल चौपाल)।
    - घर-आधारित शिक्षा में अभिभावकों को मार्गदर्शन देने के लिए एडटेक और व्हाट्सएप का लाभ उठाना।
- **शिक्षण समय और शिक्षण पद्धति में सुधार करना:** प्रतिदिन खेल-आधारित, आयु-उपयुक्त शिक्षण के 2 घंटे का मानकीकरण करना।
    - प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षणशास्त्र में शिक्षकों को प्रशिक्षित करना।
- **जागरूकता एवं नामांकन को बढ़ावा देना:** ECE नामांकन बढ़ाने के लिए जागरूकता अभियान चलाएं, विशेष रूप से 3-5 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए।
    - स्कूलों और आंगनबाड़ियों में शिशु वाटिका और बालवाटिका को एकीकृत करना।

स्रोत: **The Hindu: Rewriting the script of early childhood education**